PETRO-CHEMICALS IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI R. K. JAICHANDRA SINGH): (a) Prices of some non-scheduled formulations have gone up.

(b) and (c) To the extent information is available, M/s. Raptakos Brett & Co. Ltd. who has revised the prices of Calcinol F Syrups and Negorine Elixer by wrongly classifying them as non-scheduled formulations was asked to reclassify the products. The prices of Sudafed Tablets and Syrup and Rabipur Vaccine have not increased after the commencement of DPCO, 1987.

(d) The extent of increase in the prices of individual drugs can be known only after the prices have been fixed as per provisions of DPCO, 1987.

रसोई गैस के उपभोक्ताओं को हुई असुविधा का दूर किया जाना

2365. **श्री सुनील कुमार पट्टनायक :** क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली में गौतमपुरी, ब्रह्मपुरी, नया सीलमपुर और जाफराबाद में रह रहे उपभोक्ताओं के मामले में रसोई गैस की डीलरशिप को मैसर्स विशाल गैस सर्विस से अन्तरित कर मैसर्स जी० एन० इन्टरप्राइज को दे दिया गया है जिसके कारण इन कालोनियों के निवासियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है ;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ; और

(ग) उपरोक्त (क) में उल्लिखित कालोनियों में रहने वाले रसोई गैस के उपभोक्ताओं को असुविधा न हो, इसके लिए सरकार क्या कदम उठाने का विचार रखती है ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री ब्रह्म दत्त) : (क) से (ग) जी, नहीं। तथापि मै० विशाल गैस सर्विस के कुछ ऐसे उपभोक्ताओं को पुनर्गठन कार्यक्रम के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र में अन्य वितरकों के पास उपभोक्ताओं को बिना कष्ट पहुंचाए स्थानान्तरित करने का प्रस्ताव है जो उनकी निर्धारित सीमा से अधिक है।

उड़ीसा में गांवों का विद्युतीकरण

2365. **श्री सुनील कुमार पट्टनायक :** क्या **ऊर्जा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उड़ीसा में उन ग्रामीण क्षेत्रों के क्रमशः नाम क्या हैं जिनमें विद्युत की सप्लाई उपलब्ध नहीं है ;

(ख) क्या सरकार वर्ष 1988 के दौरान उपरोक्त भाग (क) में उल्लिखित ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत की सप्लाई करने का विचार रखती है ;

(ग) यदि हां, तो उन ग्रामीण क्षेत्रों के नाम क्या हैं और मयूरभंज जिले में यह सुविधा कब तक उपलब्ध करा दिये जाने का विचार है ;

(घ) ऊपर भाग (ग) में उल्लिखित क्षेत्रों में इस प्रयोजन के लिए कुल कितनी धनराशि व्यय करने का प्रस्ताव है; और

(ङ) मयूरभंज जिले के उन गांवों में से प्रत्येक में कुल कितनी धनराशि व्यय करने का प्रस्ताव है, जिनमें बिजली की सप्लाई की जायेगी ?

ऊर्जा मंत्रालय में विद्युत विभाग में राज्य मंत्री (श्रीमती सुशीला रोहतगी) : (क) से (ङ) 31-10-1987 की स्थिति के अनुसार उड़ीसा में जिन गांवों का अभी विद्युतीकरण किया जाना है उनका जिलेवार गांवों को दर्शाने वाला विवरण संलग्न है (**नीचे देखिये**)। गांवों के नाम से संबंधित सूचना का मिलान नहीं किया जाता है। 1987-88 के दौरान उड़ीसा में ग्राम विद्युतीकरण कार्यक्रम के लिए योजना आयोग ने 22.32 करोड़ रुपये के योजना परिव्यय की सिफारिश की है जिसमें 1400 गांवों

के विद्युतीकरण तथा 5000 पम्पसैटों के ऊर्जित करने की परिकल्पना की गई है। राज्यवार लक्ष्य और परिव्यय के बारे में निर्णय राज्य प्राधिकारियों द्वारा लिया जाता है। वर्ष 1988-89 के लिए निधियों के आवंटन तथा ग्राम विद्युतीकरण संबंधी लक्ष्यों को योजना आयोग में अभी अन्तिम रूप नहीं दिया गया है। 8वीं पंचवर्षीय योजना के अंत तक उड़ीसा राज्य के सभी गांवों को विद्युतीकृत किए जाने की आशा की जाती है बशर्ते वित्तीय संसाधन तथा अन्य निवेश उपलब्ध हों। मोटे तौर पर अनुमानों के अनुसार मयूरभंज जिले में शेष गांव का विद्युतीकरण करने के लिए 30 करोड़ रुपये की राशि अपेक्षित होगी।

विवरण

31-10-1987 की स्थिति के अनुसार, उड़ीसा राज्य के उन गांवों का जिले-वार विवरण जिनका विद्युतीकरण किया जाना है।

क्र0 सं0	जिला	गांव जिनका विद्युतीकरण किया जाना है
1.	बालासोर	1064
2.	बोलनगिर	905
3.	कटक	1389
4.	धेनकनाल	970
5.	गन्जन	1834
6.	कालाहण्डी	1579
7.	क्योंझर	697
8.	कोरापुट	3789
9.	मयूरभंज	1886
10.	फुलबनी	3390
11.	पुरी	1164
12.	सम्बलपुर	1332
13.	सुन्दरगढ़	482

गोबर गैस के उपयोग का प्रचार

2367. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :** क्या **ऊर्जा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) ग्रामीण क्षेत्रों में घर घर में गोबर-गैस और जैवगैस (बायोगैस) के उपयोग संबंधी प्रचार के लिए क्या प्रयास किये जा रहे हैं;

(ख) क्या सरकार इस संबंध में 80 प्रतिशत खर्च करने और शौचालय संबंधी सुविधा निःशुल्क उपलब्ध कराने का विचार रखती है;

(ग) निर्माण-लागत को कम करने और गैस उत्पादन में वृद्धि करने के लिए क्या अनुसंधान कार्य किया जा रहा है?

ऊर्जा मंत्री (श्री वसंत साठे) (क) पारिवारिक आकार के बायोगैस संयंत्र तथा साथ ही साथ सामुदायिक और संस्थागत बायोगैस संयंत्रों को देहाती क्षेत्रों में लोकप्रिय बनाया जा रहा है। फिर भी ग्रामीण क्षेत्रों में बायोगैस संयंत्रों की संभाव्यता प्रत्येक परिवार के पास उपलब्ध पशुओं की संख्या पर निर्भर करती है।

(ख) सामुदायिक तथा संस्थागत बायोगैस संयंत्र पहले से ही क्रमशः अधिक से अधिक 90 प्रतिशत तथा 70 प्रतिशत आर्थिक सहायता प्राप्त करने उपयुक्त हैं। इन परियोजनाओं में जहां कहीं संभव हो, शौचालयों के निर्माण की लागत शामिल है। इसके अलावा पारिवारिक आकार के बायोगैस संयंत्रों के लिए आर्थिक सहायता की निश्चित राशि दी जा रही है जो अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लाभार्थियों सहित सामान्य श्रेणी तथा छोटे एवं सीमान्त कृषकों के लिए छोटे आकार के संयंत्रों की लागत का क्रमशः 26 और 46 प्रतिशत के लगभग है।

(ग) अनुसंधान कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रबलित सीमेंट खंडों के बने डाइजेस्टर